अमर उजाला 16-6-26

कैंपस डायरी

समर इंटर्नशिप की शुरुआत के दौरान विद्यार्थी। कॉलेज

बायोटेक्नोलॉजी की तकनीकों से हुए रूबरू

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के बायोटेक्नोलॉजी विभाग ने एक ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप शुरू की है। यह इंटर्नशिप बायोटेक्नोलॉजी और बायोइंफॉर्मेटिक्स में उपकरण व तकनीक विषय पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य छात्रों को आधुनिक तकनीकों की व्यावहारिक समझ प्रदान करना है। विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि के छात्र इसमें भाग ले रहे हैं। ब्यूरो

एसडी कॉलेज-32 में गैर-केंद्रीकृत पाठ्यक्रमों के लिए दाखिले शुरू

चंडीगढ़। सेक्टर-32 के गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म (एसडी) कॉलेज ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए गैर-केंद्रीकृत (नॉन-सेंट्रलाइज्ड) पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। कॉलेज प्रशासन ने इच्छुक विद्यार्थियों से निर्धारित समय सीमा के भीतर ऑनलाइन आवेदन करने की अपील की है।

प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल माध्यम से संचालित की जा रही है, जिससे विद्यार्थियों को घर बैठे आवेदन करने की सुविधा मिलेगी।

प्रवेश के लिए आवेदन करते समय विद्यार्थियों को 1200 रुपये का पंजीकरण शुल्क जमा करना होगा। वहीं छात्रावास (होस्टल) में प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों को अतिरिक्त 950 रुपये का शुल्क भी देना होगा। कॉलेज ने यह भी स्पष्ट किया है कि प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए केवल एक ही आवेदन स्वीकार किया जाएगा। किसी भी छात्र द्वारा एक ही कोर्स के लिए एक से अधिक आवेदन करने पर आवेदन निरस्त किया जा सकता है।

ऑनलाइन आवेदन अनिवार्य, 1200 रुपये पंजीकरण शुल्क; मेरिट के आधार पर होगा प्रवेश

प्रवेश और छात्रावास आवंटन पूरी तरह मेरिट के आधार पर किया जाएगा। मेरिट सूची में चयनित विद्यार्थियों को शुल्क जमा करने संबंधी सूचना भेजी जाएगी। चयनित अभ्यर्थियों को सूचना मिलने के 24 घंटे के भीतर निर्धारित फीस जमा करनी होगी। ब्यूरो

एसडी कॉलेज की समर इंटर्नशिप में छात्र सीख रहे बायोटेक्नोलॉजी और बायोइंफॉर्मेटिक्स की अत्याधुनिक तकनीकें

बायोटेक्नोलॉजी के नए दौर से रूबरू हुए छात्र, समर इंटर्नशिप में सीख रहे वैज्ञानिक अनुसंधान की बारीकियां

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

बदलते वैज्ञानिक दौर और शोध के नए अवसरों को देखते हुए सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के बायोटेक्नोलॉजी विभाग ने ह्यूटूल्स एंड टेक्निक्स इन बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोइंफॉर्मेटिक्सह्व विषय पर समर इंटर्नशिप-2026 की शुरूआत की है। यह इंटर्नशिप छात्रों को आधुनिक बायो टेक्नोलॉजिकल और बायोइंफॉर्मेटिक्स तकनीकों की व्यावहारिक समझ देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस इंटर्नशिप में विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि से जुड़े छात्र उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखते हुए उन्हें प्रयोगशाला आधारित तकनीकों और कंप्यूटेशनल टूल्स का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है, जिनका उपयोग आज जैविक अनुसंधान के क्षेत्र में बड़े स्तर पर किया जा रहा है। इंटर्नशिप के पहले दिन छात्रों को माइक्रोबियल आईडेंटिफिकेशन के लिए उपयोग की जाने वाली बायोकेमिकल कैरेक्टराइजेशन तकनीकों के सिद्धांत और उनके उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से विभिन्न बायोकेमिकल टेस्ट, उनकी उपयोगिता और माइक्रोबियल टैक्सोनॉमी व डायग्नोस्टिक्स में उनकी भूमिका को विस्तार से समझाया गया। दूसरे दिन कार्यक्रम में मॉलिक्यूलर बायोलॉजी तकनीकों पर विशेष ध्यान दिया गया। छात्रों को डीएनए एक्सट्रैक्शन, डीएनए विश्लेषण की विभिन्न विधियों, पॉलीमरेज चेन रिएक्शन (पीसीआर) और प्रोटीन एक्सट्रैक्शन तकनीकों की जानकारी दी गई। इन तकनीकों का प्रयोगात्मक प्रशिक्षण देकर छात्रों को मॉलिक्यूलर एनालिसिस की पूरी प्रक्रिया को समझने का अवसर मिला। तीसरे दिन इंटर्नशिप में एडवांस्ड बायोइंफॉर्मेटिक्स

तकनीकों पर प्रशिक्षण दिया गया। छात्रों ने सीक्वेंस एनालिसिस और आधुनिक कंप्यूटेशनल संसाधनों की मदद से माइक्रोबियल वर्गीकरण की प्रक्रिया को व्यावहारिक रूप से समझा।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में विज्ञान शिक्षा को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रखा जा सकता। विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक ज्ञान और तकनीकी दक्षता विकसित करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस तरह की इंटर्नशिप छात्रों को कक्षा में सीखे गए सिद्धांतों को वास्तविक प्रयोगशाला और शोध कार्यों में लागू करने का अवसर प्रदान करती है। डॉ. शर्मा ने कहा कि स्किल आधारित लर्निंग विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करती है और उन्हें शोध संस्थानों, अकादमिक क्षेत्र तथा बायोटेक्नोलॉजी उद्योग में बेहतर अवसर प्राप्त करने में मदद करती है। इस अवसर पर बायोटेक्नोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. नवनीत बत्रा ने इंटर्नशिप में विभिन्न कॉलेजों और अलग-अलग शैक्षणिक पृष्ठभूमि से आए छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के तकनीकी कौशल को निखारने के साथ-साथ उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार की सोच और शोध के प्रति रुचि विकसित करते हैं।

डॉ. बत्रा ने कहा कि बायोटेक्नोलॉजी और बायोइंफॉर्मेटिक्स जैसे क्षेत्रों में नए शोध और विकास के लिए मजबूत तकनीकी समझ की जरूरत होती है, जिसे ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से विकसित किया जा सकता है। इन प्रशिक्षण सत्रों का संचालन बायोकेमिस्ट्री विभाग के प्रमुख डॉ. अखलाश प्रताप सिंह और बायोटेक्नोलॉजी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अभिनाशी सिंह सोढ़ी द्वारा किया गया। दोनों विशेषज्ञों ने छात्रों को आधुनिक बायोटेक्नोलॉजी और बायोइंफॉर्मेटिक्स की महत्वपूर्ण तकनीकों से अवगत कराया और उन्हें प्रयोगात्मक प्रशिक्षण प्रदान किया। विशेषज्ञों के मार्गदर्शन ने छात्रों को शोध प्रक्रिया, डेटा विश्लेषण और वैज्ञानिक तकनीकों के व्यावहारिक अनुप्रयोगों को समझने में मदद की। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों ने न केवल तकनीकी कौशल विकसित किए, बल्कि वैज्ञानिक सोच, समस्या समाधान क्षमता और शोध के प्रति अपनी रुचि को भी मजबूत किया।

दैनिक सवेरा 16-6-26

बायोटैक्नोलॉजी के नए दौर से रूबरू हुए छात्र, समर इंटर्नशिप में सीख रहे वैज्ञानिक अनुसंधान की बारीकियां

सवेरा न्यूज/नीना

चंडीगढ़, 15 जून : बदलते वैज्ञानिक दौर और शोध के नए अवसरों को देखते हुए सैक्टर 32 गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के बायोटैक्नोलॉजी विभाग ने टूल्स एंड टेक्निक्स इन बायोटैक्नोलॉजी एंड बायोइंफॉर्मेटिक्स विषय पर-समर इंटर्नशिप-2026 की शुरु आत की है। यह इंटर्नशिप छात्रों को आधुनिक बायो टैक्नोलॉजिकल और बायोइंफॉर्मेटिक्स तकनीकों की व्यावहारिक समझ देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

इस इंटर्नशिप में विभिन्न शैक्षणकि पृष्ठभूमि से जुड़े छात्र उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। कार्यक्र म का उद्देश्य छात्रों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखते हुए उन्हें प्रयोगशाला आधारित तकनीकों और कंप्यूटेशनल टूल्स का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है, जिनका उपयोग आज जैविक अनुसंधान के क्षेत्र में बड़े स्तर पर किया जा रहा है। इंटर्नशिप के पहले दिन छात्रों को माइक्रो बियल आईडेंटिफिकेशन के लिए उपयोग की जाने वाली बायोकेमिकल कैरेक्टराइजेशन तकनीकों के सिद्धांत और उनके उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में विज्ञान शिक्षा को केवल पाठ्यक्र म तक सीमित नहीं रखा जा सकता।

इंटरर्नशिप में हिस्सा लेते छात्र।

दिव्य हिमाचल 16-6-26

एसडी कालेज में समर इंटर्नशिप प्रोग्राम शुरू

चंडीगढ़। इंटर्नशिप प्रोग्राम में शामिल एसडी कालेज की छात्राएं

चंडीगढ़। बदलते वैज्ञानिक दौर और शोध के नए अवसरों को देखते हुए सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कालेज के बायोटेक्नोलॉजी विभाग ने टूल्स एंड टेक्निक्स इन बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोइंफॉर्मेटिक्स विषय पर समर इंटर्नशिप 2026 की शुरुआत की है। यह इंटर्नशिप छात्रों को आधुनिक बायो टेक्नोलॉजिकल और बायोइंफॉर्मेटिक्स तकनीकों की व्यावहारिक समझ देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस इंटर्नशिप में विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि से जुड़े छात्र उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखते हुए उन्हें प्रयोगशाला आधारित तकनीकों और कम्प्यूटेशनल टूल्स का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है, जिनका उपयोग आज जैविक अनुसंधान के क्षेत्र में बड़े स्तर पर किया जा रहा है। इंटर्नशिप के पहले दिन छात्रों को माइक्रोबियल आईडेंटिफिकेशन के लिए उपयोग की जाने वाली बायोकेमिकल कैरेक्टराइजेशन तकनीकों के सिद्धांत और उनके उपयोग के बारे में जानकारी दी गई।

बायोटेक्नोलॉजी के नए दौर से रूबरू हुए छात्र, समर इंटर्नशिप में सीख रहे वैज्ञानिक अनुसंधान की बारीकियां

चंडीगढ़ (हिमप्रभा ब्यूरो)। बदलते वैज्ञानिक दौर और शोध के नए अवसरों को देखते हुए सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के बायोटेक्नोलॉजी विभाग ने 'टूल्स एंड टेक्निक्स इन बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोइंफॉर्मेटिक्स' विषय पर समर इंटर्नशिप-2026 की शुरुआत की है। यह इंटर्नशिप छात्रों को आधुनिक बायो टेक्नोलॉजिकल और बायोइंफॉर्मेटिक्स तकनीकों की व्यावहारिक समझ देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस इंटर्नशिप में विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि से जुड़े छात्र उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखते हुए उन्हें प्रयोगशाला आधारित तकनीकों और कंप्यूटेशनल टूल्स का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है, जिनका उपयोग जैविक अनुसंधान के क्षेत्र में बड़े स्तर पर किया जा रहा है। इंटर्नशिप के पहले दिन छात्रों को माइक्रोबियल आईडेंटिफिकेशन के लिए उपयोग की जाने वाली बायोकेमिकल कैरेक्टराइजेशन तकनीकों के सिद्धांत और उनके उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से विभिन्न बायोकेमिकल टेस्ट, उनकी उपयोगिता और माइक्रोबियल टैक्सोनॉमी व डायग्नोस्टिक्स में उनकी भूमिका को विस्तार से समझाया गया।

दूसरे दिन कार्यक्रम में मॉलिक्यूलर बायोलॉजी तकनीकों पर विशेष ध्यान दिया गया। छात्रों को डीएनए एक्सट्रैक्शन, डीएनए विश्लेषण की विभिन्न विधियों, पॉलीमरेज चेन रिएक्शन (पीसीआर) और प्रोटीन एक्सट्रैक्शन तकनीकों की जानकारी दी गई। तीसरे दिन इंटर्नशिप में एडवांस्ड बायोइंफॉर्मेटिक्स तकनीकों पर प्रशिक्षण दिया गया। छात्रों ने सीक्वेंस एनालिसिस और आधुनिक कंप्यूटेशनल संसाधनों की मदद से माइक्रोबियल वर्गीकरण की प्रक्रिया को व्यावहारिक रूप से समझा। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में विज्ञान शिक्षा को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रखा जा सकता।

उन्होंने कहा कि इस तरह की इंटर्नशिप छात्रों को कक्षा में सीखे गए सिद्धांतों को वास्तविक प्रयोगशाला और शोध कार्यों में लागू करने का अवसर प्रदान करती है। डॉ. शर्मा ने कहा कि स्किल आधारित लर्निंग विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करती है और उन्हें शोध संस्थानों, अकादमिक क्षेत्र तथा बायोटेक्नोलॉजी उद्योग में बेहतर अवसर प्राप्त करने में मदद करती है। इस अवसर पर बायोटेक्नोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. नवनीत बत्रा ने इंटर्नशिप में विभिन्न कॉलेजों और अलग-अलग शैक्षणिक पृष्ठभूमि से आए छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के तकनीकी कौशल को निखारने के साथ-साथ उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार की सोच और शोध के प्रति रुचि विकसित करते हैं। डॉ. बत्रा ने कहा कि बायोटेक्नोलॉजी और बायोइंफॉर्मेटिक्स जैसे क्षेत्रों में नए शोध और विकास के लिए मजबूत तकनीकी समझ की जरूरत होती है, जिसे ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से विकसित किया जा सकता है।

इन प्रशिक्षण सत्रों का संचालन बायोकेमिस्ट्री विभाग के प्रमुख डॉ. अखलाश प्रताप सिंह और बायोटेक्नोलॉजी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अभिनाशी सिंह सोढ़ी द्वारा किया गया। दोनों विशेषज्ञों ने छात्रों को आधुनिक बायोटेक्नोलॉजी और बायोइंफॉर्मेटिक्स की महत्वपूर्ण तकनीकों से अवगत कराया और उन्हें प्रयोगात्मक प्रशिक्षण प्रदान किया।विशेषज्ञों के मार्गदर्शन ने छात्रों को शोध प्रक्रिया, डेटा विश्लेषण और वैज्ञानिक तकनीकों के व्यावहारिक अनुप्रयोगों को समझने में मदद की। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों ने न केवल तकनीकी कौशल विकसित किए, बल्कि वैज्ञानिक सोच, समस्या समाधान क्षमता और शोध के प्रति अपनी रुचि को भी मजबूत किया।

समर इंटर्नशिप

एसडी कॉलेज में समर इंटर्नशिप, छात्र सीख रहे अत्याधुनिक तकनीकें

बायोटेक्नोलॉजी के नए दौर से रूबरू हुए छात्र, सीख रहे वैज्ञानिक अनुसंधान की बारीकियां

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। बदलते वैज्ञानिक दौर और शोध के नए अवसरों को देखते हुए सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के बायोटेक्नोलॉजी विभाग ने 'टूल्स एंड टेक्निक्स इन बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोइंफॉर्मेटिक्स' विषय पर समर इंटर्नशिप-2026 की शुरुआत की है। यह इंटर्नशिप छात्रों को आधुनिक बायो टेक्नोलॉजिकल और बायोइंफॉर्मेटिक्स तकनीकों की व्यावहारिक समझ देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस इंटर्नशिप में विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि से जुड़े छात्र उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखते हुए उन्हें प्रयोगशाला आधारित तकनीकों और कंप्यूटेशनल टूल्स का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है, जिनका उपयोग आज जैविक अनुसंधान के क्षेत्र में बड़े स्तर पर किया जा रहा है।

इंटर्नशिप के पहले दिन छात्रों को माइक्रोबियल आईडेंटिफिकेशन के लिए उपयोग की जाने वाली बायोकेमिकल कैरेक्टराइजेशन तकनीकों के सिद्धांत और उनके उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से विभिन्न बायोकेमिकल टेस्ट, उनकी उपयोगिता और माइक्रोबियल टैक्सोनॉमी व डायग्नोस्टिक्स में उनकी भूमिका को विस्तार से समझाया गया। दूसरे दिन कार्यक्रम में मॉलिक्यूलर बायोलॉजी तकनीकों पर विशेष ध्यान दिया गया। छात्रों को डीएनए एक्सट्रैक्शन, डीएनए विश्लेषण की विभिन्न विधियों, पॉलीमरेज चेन रिएक्शन (पीसीआर) और प्रोटीन एक्सट्रैक्शन तकनीकों की जानकारी दी गई। इन तकनीकों का प्रयोगात्मक प्रशिक्षण देकर छात्रों को मॉलिक्यूलर

⇨ किताबी ज्ञान से आगे बढ़कर लैब में उतरी सीख, समर इंटर्नशिप में छात्रों को मिल रहा शोध का व्यावहारिक अनुभव

एनालिसिस की पूरी प्रक्रिया को समझने का अवसर मिला।तीसरे दिन इंटर्नशिप में एडवांस्ड बायोइंफॉर्मेटिक्स तकनीकों पर प्रशिक्षण दिया गया। छात्रों ने सीक्वेंस एनालिसिस और आधुनिक कंप्यूटेशनल संसाधनों की मदद से माइक्रोबियल वर्गीकरण की प्रक्रिया को व्यावहारिक रूप से समझा।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में विज्ञान शिक्षा को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रखा जा सकता। विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक ज्ञान और तकनीकी दक्षता विकसित करना

बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस तरह की इंटर्नशिप छात्रों को कक्षा में सीखे गए सिद्धांतों को वास्तविक प्रयोगशाला और शोध कार्यों में लागू करने का अवसर प्रदान करती है। डॉ. शर्मा ने कहा कि स्किल आधारित लर्निंग विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करती है और उन्हें शोध संस्थानों, अकादमिक क्षेत्र तथा बायोटेक्नोलॉजी उद्योग में बेहतर अवसर प्राप्त करने में मदद करती है। इस अवसर पर बायोटेक्नोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. नवनीत बत्रा ने इंटर्नशिप में विभिन्न कॉलेजों और अलग-अलग शैक्षणिक पृष्ठभूमि से आए छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के तकनीकी कौशल को निखारने के साथ-साथ उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार की सोच और शोध के प्रति रुचि विकसित करते हैं।

डॉ. बत्रा ने कहा कि बायोटेक्नोलॉजी और बायोइंफॉर्मेटिक्स जैसे क्षेत्रों में नए शोध और विकास के लिए मजबूत तकनीकी समझ की जरूरत होती है, जिसे ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से विकसित किया जा सकता है। इन प्रशिक्षण सत्रों का संचालन बायोकेमिस्ट्री विभाग के प्रमुख डॉ. अखलाश प्रताप सिंह और बायोटेक्नोलॉजी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अभिनाशी सिंह सोढ़ी द्वारा किया गया। दोनों विशेषज्ञों ने छात्रों को आधुनिक बायोटेक्नोलॉजी और बायोइंफॉर्मेटिक्स की महत्वपूर्ण तकनीकों से अवगत कराया और उन्हें प्रयोगात्मक प्रशिक्षण प्रदान किया।विशेषज्ञों के मार्गदर्शन ने छात्रों को शोध प्रक्रिया, डेटा विश्लेषण और वैज्ञानिक तकनीकों के व्यावहारिक अनुप्रयोगों को समझने में मदद की। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों ने न केवल तकनीकी कौशल विकसित किए, बल्कि वैज्ञानिक सोच, समस्या समाधान क्षमता और शोध के प्रति अपनी रुचि को भी मजबूत किया।

बायोटेक्नोलॉजी के नए दौर से रूबरू हुए छात्र, समर इंटर्नशिप में सीख रहे वैज्ञानिक अनुसंधान की बारीकियां

» मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। बदलते वैज्ञानिक दौर और शोध के नए अवसरों को देखते हुए सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के बायोटेक्नोलॉजी विभाग ने ह्यूटूल्स एंड टेक्निक्स इन बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोइंफॉर्मेटिक्सह्व विषय पर समर इंटर्नशिप-2026 की शुरूआत की है। यह इंटर्नशिप छात्रों को आधुनिक बायो टेक्नोलॉजिकल और बायोइंफॉर्मेटिक्स तकनीकों की व्यावहारिक समझ देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस इंटर्नशिप में विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि से जुड़े छात्र उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखते हुए उन्हें प्रयोगशाला आधारित तकनीकों और कंप्यूटेशनल टूल्स का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है, जिनका उपयोग आज जैविक अनुसंधान के क्षेत्र में बड़े स्तर पर किया जा रहा है।

इंटर्नशिप के पहले दिन छात्रों को माइक्रोबियल आईडेंटिफिकेशन के लिए

उपयोग की जाने वाली बायोकेमिकल कैरेक्टराइजेशन तकनीकों के सिद्धांत और उनके उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से विभिन्न बायोकेमिकल टेस्ट, उनकी उपयोगिता और माइक्रोबियल टैक्सोनॉमी व डायग्नोस्टिक्स में उनकी भूमिका को विस्तार से समझाया गया। दूसरे दिन कार्यक्रम में मॉलिक्यूलर बायोलॉजी तकनीकों पर विशेष ध्यान दिया गया। छात्रों को डीएनए एक्सट्रैक्शन, डीएनए विश्लेषण की विभिन्न विधियों, पॉलीमरेज चेन रिएक्शन (पीसीआर) और प्रोटीन एक्सट्रैक्शन तकनीकों की जानकारी दी गई। इन तकनीकों का प्रयोगात्मक प्रशिक्षण देकर छात्रों को मॉलिक्यूलर एनालिसिस की पूरी प्रक्रिया को समझने का अवसर मिला।तीसरे दिन इंटर्नशिप में एडवांस्ड बायोइंफॉर्मेटिक्स तकनीकों पर प्रशिक्षण दिया गया। छात्रों ने सीक्वेंस एनालिसिस और आधुनिक कंप्यूटेशनल संसाधनों की मदद से माइक्रोबियल वर्गीकरण की प्रक्रिया को व्यावहारिक रूप से समझा।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में विज्ञान शिक्षा को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रखा जा सकता। विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक ज्ञान और तकनीकी दक्षता विकसित करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस तरह की इंटर्नशिप छात्रों को कक्षा में सीखे गए सिद्धांतों को वास्तविक प्रयोगशाला और शोध कार्यों में लागू करने का अवसर प्रदान करती है। डॉ. शर्मा ने कहा कि स्किल आधारित लर्निंग विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करती है और उन्हें शोध संस्थानों, अकादमिक क्षेत्र तथा बायोटेक्नोलॉजी उद्योग में बेहतर अवसर प्राप्त करने में मदद करती है। इस अवसर पर बायोटेक्नोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. नवनीत बत्रा ने इंटर्नशिप में विभिन्न कॉलेजों और अलग-अलग शैक्षणिक पृष्ठभूमि से आए छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के तकनीकी कौशल को निखारने के साथ-साथ उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार की सोच और शोध के प्रति रुचि विकसित करते हैं।

डॉ. बत्रा ने कहा कि बायोटेक्नोलॉजी और बायोइंफॉर्मेटिक्स जैसे क्षेत्रों में नए शोध और विकास के लिए मजबूत तकनीकी समझ की जरूरत होती है, जिसे ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से विकसित किया जा सकता है। इन प्रशिक्षण सत्रों का संचालन बायोकेमिस्ट्री विभाग के प्रमुख डॉ. अखलाश प्रताप सिंह और बायोटेक्नोलॉजी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अभिनाशी सिंह सोढ़ी द्वारा किया गया। दोनों विशेषज्ञों ने छात्रों को आधुनिक बायोटेक्नोलॉजी और बायोइंफॉर्मेटिक्स की महत्वपूर्ण तकनीकों से अवगत कराया और उन्हें प्रयोगात्मक प्रशिक्षण प्रदान किया।विशेषज्ञों के मार्गदर्शन ने छात्रों को शोध प्रक्रिया, डेटा विश्लेषण और वैज्ञानिक तकनीकों के व्यावहारिक अनुप्रयोगों को समझने में मदद की। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों ने न केवल तकनीकी कौशल विकसित किए, बल्कि वैज्ञानिक सोच, समस्या समाधान क्षमता और शोध के प्रति अपनी रुचि को भी मजबूत किया।

Students join Biotechnology internship at GGDSD College

Chandigarh: The Department of Biotechnology, GGDSD College, Sector 32-C, is conducting its Summer Internship 2026 on "Tools and Techniques in Biotechnology and Bioinformatics" from June 11, 2026, with active participation from students across various academic backgrounds.

The programme aims to provide a blend of theoretical knowledge and hands-on training in modern laboratory and computational techniques used in life sciences. Students were introduced to biochemical tests for microbial identification, followed by practical sessions on DNA extraction, PCR, protein extraction, and other molecular biology techniques.

Advanced sessions covered bioinformatics tools such as NCBI, BLAST, 16S rRNA gene sequencing, and phylogenetic analysis, along with microbial classification methods. Participants also received exposure to cell disruption techniques and data analysis approaches.

Principal Dr. Ajay Sharma emphasized the importance of skill-based learning and said such internships help bridge the gap between academics and industry requirements. Dr. Navneet Batra, Head of the Department, highlighted that the programme encourages innovation and research-oriented thinking among students.

पंजाब केसरी 16-6-26

कार्यक्रम | बायोटैक्नोलॉजी के नए दौर से रू-ब-रू हुए छात्र, समर इंटर्नशिप में सीख रहे वैज्ञानिक अनुसंधान की बारीकियां

किताबी ज्ञान से आगे बढ़कर लैब में उतरी सीख, समर इंटर्नशिप में छात्रों को मिल रहा शोध का व्यावहारिक अनुभव

चंडीगढ़, 15 जून (आशीष): सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के बायोटैक्नोलॉजी विभाग ने टूल्स एंड टेक्निक्स इन बायोटैक्नोलॉजी एंड बायोइंफॉर्मेटिक्स विषय पर समर इंटर्नशिप की शुरूआत की है। इंटर्नशिप छात्रों को आधुनिक बायो टैक्नोलॉजिकल और बायोइंफॉर्मेटिक्स तकनीकों की व्यावहारिक समझ देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस इंटर्नशिप में विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि से जुड़े छात्र उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं।

कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखते हुए उन्हें प्रयोगशाला आधारित तकनीकों और कंप्यूटेशनल टूल्स का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है, जिनका उपयोग आज जैविक अनुसंधान के क्षेत्र में बड़े स्तर पर किया जा रहा है।

इंटर्नशिप के पहले दिन छात्रों को माइक्रोबियल आईडेंटिफिकेशन के लिए उपयोग की जाने वाली बायोकैमिकल कैरेक्टराइजेशन तकनीकों के सिद्धांत और उनके उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से विभिन्न बायोकेमिकल टेस्ट, उनकी उपयोगिता और माइक्रोबियल टैक्सोनॉमी व डायग्नोस्टिक्स में उनकी भूमिका को विस्तार से समझाया गया। दूसरे दिन कार्यक्रम में मॉलिक्यूलर बायोलॉजी तकनीकों पर विशेष ध्यान दिया गया। छात्रों को डी.एन.ए. एक्सट्रैक्शन, डी.एन.ए. विश्लेषण की विभिन्न विधियों, पॉलीमरेज चेन रिएक्शन और प्रोटीन एक्सट्रैक्शन तकनीकों की जानकारी दी गई। इन तकनीकों का प्रयोगात्मक प्रशिक्षण देकर छात्रों को मॉलिक्यूलर एनालिसिस की पूरी प्रक्रिया को समझने का अवसर मिला।

एडवांस्ड बायोइंफॉर्मेटिक्स तकनीकों पर प्रशिक्षण दिया

तीसरे दिन इंटर्नशिप में एडवांस्ड बायोइंफॉर्मेटिक्स तकनीकों पर प्रशिक्षण दिया गया। छात्रों ने सीक्वेंस एनालिसिस और आधुनिक कंप्यूटेशनल संसाधनों की मदद से माइक्रोबियल वर्गीकरण की प्रक्रिया को व्यावहारिक रूप से समझा। प्रिंसीपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि आज के समय में विज्ञान शिक्षा को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रखा जा सकता। विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक ज्ञान और तकनीकी दक्षता विकसित करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस तरह की इंटर्नशिप छात्रों को कक्षा में सीखे गए सिद्धांतों को वास्तविक प्रयोगशाला और शोध कार्यों में लागू करने का अवसर प्रदान करती है। डॉ. शर्मा ने कहा कि स्किल आधारित लर्निंग विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करती है और उन्हें शोध संस्थानों, अकादमिक क्षेत्र तथा बायोटेक्नोलॉजी उद्योग में बेहतर अवसर प्राप्त करने में मदद करती है। इस अवसर पर बायोटैक्नोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. नवनीत बत्रा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के तकनीकी कौशल को निखारने के साथ-साथ उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार की सोच और शोध के प्रति रुचि विकसित करते हैं। इन प्रशिक्षण सत्रों का संचालन बायोकैमिस्ट्री विभाग के प्रमुख डॉ. अखलाश प्रताप सिंह और बायोटैक्नोलॉजी विभाग की असिस्टैंट प्रोफैसर डॉ. अभिनाशी सिंह सोढ़ी द्वारा किया गया। दोनों विशेषज्ञों ने छात्रों को आधुनिक बायोटैक्नोलॉजी और बायोइंफॉर्मेटिक्स की महत्वपूर्ण तकनीकों से अवगत कराया और उन्हें प्रयोगात्मक प्रशिक्षण प्रदान किया। विशेषज्ञों के मार्गदर्शन ने छात्रों को शोध प्रक्रिया, डेटा विश्लेषण और वैज्ञानिक तकनीकों के व्यावहारिक अनुप्रयोगों को समझने में मदद की।

कालेज में इंटर्न कार्य के बारे में जानकारी हासिल करती हुईं। (परमजीत)